महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर ग्रन्थालय 8-5-24

SAN 306

B.A. VIth SEMESTER EXAMINATION, 2023-24

SANSKRIT

(Adhunik Sanskrit Sahitya – II)

(CBCS Mode)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : ____________________

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

5549

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures) : | | | | | | | | | | | | | | | |

अनुक्रमांक (शब्दों में) : ____

Roll No. (In Words) : ____

Time : 1:30 Hrs.
समय : 1:30 घण्टे

Max. Marks : 75
अधिकतम अंक : 75

नोट : पुस्तिका में 50 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.

2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।

2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

1. 'तदेव गगनं सैव धरा' के कर्ता हैं –

(A) प्रो० रेवा प्रसाद द्विवेदी

(B) आचार्य श्री निवास रथ

(C) पण्डिता क्षमाराव

(D) पं० वासुदेव द्विवेदी

2. संस्कृत गीति काव्य है –

(A) उत्तरसीताचरितम्

(B) क्षणिकविभ्रमः

(C) तदेव गगनं सैव धरा

(D) दीपमालिका

3. आचार्य श्री निवास रथ का जन्म हुआ था –

(A) गोरखपुर, 1933 ई० में

(B) दिल्ली, 1938 ई० में

(C) कर्नाटक, 1939 ई० में

(D) पुरी, 1933 ई० में

4. आचार्य श्री निवास रथ के माता पिता का नाम है –

(A) लक्ष्मी देवी एवं जगन्नाथ शास्त्र

(B) मीरा देवी एवं दुर्गादत्त

(C) लक्ष्मी देवी एवं दुर्गाचरण

(D) रमा देवी एवं विष्णुकान्त

5. 'तदेव गगनं सैव धरा' है –

(A) कथा संग्रह

(B) कविता संग्रह

(C) नाट्य संग्रह

(D) अन्य

6. 'तदेव गगनं सैव धरा' कविता में जीवन की गति बताई गई है –

(A) प्रतिदिन परिवर्तित

(B) प्रतिदिन एक जैसी

(C) प्रति दूसरे दिन परिवर्तित

(D) प्रति वर्ष परिवर्तित

7. 'तदेव गगनं सैव धरा' कविता में समाज की दशा बताई गई है –

(A) भयभीत

(B) अनुकूल

(C) विपरीत

(D) नैतिकता विहीन

8. 'तदेव गगनं सैव धरा' कविता के अनुसार परिवर्तन की अभिलाषा पूर्ण होगी –

(A) संस्कृत से

(B) आन्दोलन से

(C) सत्याग्रह से

(D) शान्त रहने से

9. 'तदेव गगनं सैव धरा' कविता के अनुसार आज घरों में धीरे-धीरे आ रही है –

(A) लक्ष्मी

(B) प्रसन्नता

(C) अपरिचित नूतन नैतिकता

(D) व्याकुलता

10. तदेव गगनं सैव धरा में कवि ने गम्भीर चिन्ता व्यक्त की है –

(A) सुरापान मात्र पर

(B) शादी ब्याह मात्र पर

(C) परिवर्तित होते सामाजिक मूल्यों पर

(D) शिक्षा व्यवस्था पर

11. तदेव गगनं सैव धरा कविता में बताई गई राजनीति रचना है –

(A) स्वार्थी, स्वाधीन

(B) परमार्थ, स्वाधीन

(C) परमार्थ

(D) लोक संग्रहणार्थ

12. तदेव गगनं सैव धरा कविता संग्रह प्रकाशित है –

(A) विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी से

(B) गीता प्रेस, गोरखपुर से

(C) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली से

(D) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली से

13. क्षणिक विभ्रमः है :

(A) कथा

(B) कविता

(C) महाकाव्य

(D) नाटक

14. क्षणिक विभ्रमः संकलित है –

(A) कथासरित् से

(B) कथामुक्तावली से

(C) कथापुष्प से

(D) कथाप्रमोद से

15. पण्डिता क्षमाराव की रचना है –

(A) पद्मिनी

(B) तदेव गगनं सैव धरा

(C) क्षणिकविभ्रमः

(D) दीपमालिका

16. क्षणिकविभ्रमः का मुख्य पुरूष पात्र है –

(A) हरि

(B) विष्णु

(C) शिव

(D) ईश्वर

17. क्षणिकविभ्रमः मार्मिक कथा है –

(A) अनीति की

(B) सुनीति की

(C) परिणीति की

(D) प्रतीति की

18. कथामुक्तावली प्रकाशित है –

(A) वि० वि० प्रकाशन, वाराणसी से

(B) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली से

(C) उ० प्र० संस्कृत संस्थानम्, लखनऊ से

(D) कविकुल गुरु कालिदास सं० वि० वि०, रामदेव नागपुर से

19. 'क्षणिकविभ्रम' कथा के नायक हरि का मित्र है –

(A) रामलाल

(B) रामप्रताप

(C) रामदास

(D) रामपाल

20. 'क्षणिकविभ्रमः' कथा का प्रारम्भ होता है –

(A) पुणे से

(B) मुम्बई से

(C) गोरखपुर से

(D) लखनऊ से

21. 'क्षणिकविभ्रमः' की स्त्री पात्र सुनीति का विवाह हुआ था –

(A) 20 वर्ष में

(B) 17 वर्ष में

(C) 15 वर्ष में

(D) 13 वर्ष में

22. सुनीति के पुत्र को कारावास हुआ था –

(A) चोरी करने पर

(B) मारपीट करने पर

(C) चोरों के साथ पकड़े जाने पर

(D) नशा करने पर

23. क्षमाराव के पति का नाम है –

(A) डॉ प्रमोद राव

(B) डॉ राघवेन्द्र राव

(C) डॉ यादवेन्द्र राव

(D) डॉ पुष्पेन्द्र राव

24. क्षमाराव का जन्म हुआ था –

(A) 1850 ई० में

(B) 1870 ई० में

(C) 1890 ई० में

(D) 1980 ई० में

25. क्षमाराव की रचना नहीं है –

(A) मीरा लहरी

(B) तुकारामचरितम्

(C) ज्ञानेश्वरचरितम्

(D) उत्तरसीताचरितम्

26. पण्डिता क्षमाराव को उपाधि प्राप्त हुई –

(A) सरस्वती

(B) सरस्वती चन्द्रिका

(C) सरस्वती सुषमा

(D) सरस्तवी प्रतिभा

27. 'क्षणिकविभ्रमः' में रामदास जो पत्रिका पढ़ता है उसका नाम है –

(A) कल्याण

(B) अचिरावती

(C) केशरी

(D) कुण्डलिनी

28. हरि के सास–ससुर ने कोंकण में व्यवसाय करने के लिए कहा –

(A) पत्र लेखक का

(B) पत्र वाहक का

(C) पत्र वाचक का

(D) पत्र सम्पादक का

29. 'वृत्तपत्रं' का तात्पर्य है –

(A) छन्द पत्र

(B) स्वर्ण पत्र

(C) ताम्रपत्र

(D) समाचार पत्र

30. 'दीपमालिका' के प्रणेता है –

(A) रेवा प्रसाद द्विवेदी

(B) वासुदेव द्विवेदी

(C) दशरथ द्विवेदी

(D) रहसबिहारी द्विवेदी

31. दीपमालिका का प्रतिपाद्य है –

(A) संवाद

(B) गीत

(C) सुभाषित

(D) अलंकार

32. दीपमालिका का विभाजन है –

(A) दीपों में

(B) प्रदीपों में

(C) मालिकाओं में

(D) दीपिकाओं में

33. पं० वासुदेव द्विवेदी का जन्म हुआ –

(A) देवरिया के छपरा ग्राम में

(B) देवरिया के बैकुण्ठपुर ग्राम में

(C) देवरिया के पण्डितपुरा ग्राम में

(D) देवरिया के लार ग्राम में

34. 'सार्वभौम संस्कृत प्रचार कार्यालय' के संस्थापक हैं –

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(B) वासुदेव द्विवेदी

(C) हरिहर प्रसाद द्विवेदी

(D) दशरथ द्विवेदी

35. वासुदेव द्विवेदी के अनुसार सुभाषित नहीं है –

(A) भाषा का विलास

(B) सरस्वती की सुन्दर मुस्कान

(C) पृथ्वी का अमृत

(D) कर्णाभरण

36. दीपमालिका में कुल सूक्तियाँ हैं –

(A) 561

(B) 560

(C) 580

(D) 590

37. मिथ्याभिमानः सम्मानं न वर्द्धयति का तात्पर्य है –

(A) मिथ्याभिमान सम्मान बढ़ाता है

(B) अभिमान सम्मान नहीं बढ़ाता

(C) मिथ्याभिमान सम्मान नहीं बढ़ाता

(D) मिथ्याभिमान और सम्मान का परस्पर कोई लेना देना नहीं

38. दीपमालिका की प्रथम मालिका में सूक्तियाँ हैं –

(A) चतुष्पदी

(B) त्रिपदी

(C) द्विपदी

(D) एकपदी

39. 'धूर्तस्य विश्वासः जीवनस्य विनाशः' का तात्पर्य है –

(A) धूर्त का विनाश जीवन का विकास

(B) धूर्त का विश्वास जीवन का विनाश

(C) धूर्त विश्वास ने अपने जीवन का विनाश कर लिया

(D) धूर्त विश्वास करने योग्य होते हैं

40. 'सर्वत्र एकता परमा विवेकिता' सूक्ति का तात्पर्य होगा –

(A) एकता सर्वत्र विवेक के साथ रहती है

(B) एकता परम को विवेक बताती है

(C) एकता सर्वत्र परम विवेक प्रदान करती है

(D) परम का विवेक ही एकता है

41. 'तदेव गगनं सैव धरा' कविता में धन की इच्छा करता है –

(A) पुत्र

(B) पुत्री

(C) पत्नी

(D) जामाता

42. 'क्षणिक' शब्द का तात्पर्य है –

(A) लम्बे समय तक रहने वाला

(B) एक घंटा तक रहने वाला

(C) क्षणभर मात्र रहने वाला

(D) जीवन भर रहने वाला

43. आचार्य वासुदेव द्विवेदी सभी से अपने घर का नाम रखने का आग्रह करते थे –

(A) संस्कृत गृहम्

(B) संस्कृत गेह

(C) संस्कृत भवन

(D) संस्कृत कुटीर

44. आचार्य वासुदेव द्विवेदी जी अपने गृह जनपद में संस्कृत का प्रचार–प्रसार करते थे –

(A) कार से

(B) स्कूटर से

(C) साइकिल से

(D) पैदल

45. आचार्य वासुदेव द्विवेदी के गृह जनपद का नाम है –

(A) देवरिया

(B) कुशीनगर

(C) गोरखपुर

(D) महराजगंज

46. पं० वासुदेव द्विवेदी जी के पिता का नाम है –

(A) गंगाप्रसाद द्विवेदी

(B) यमुना प्रसाद द्विवेदी

(C) हरि प्रसाद द्विवेदी

(D) राम प्रसाद द्विवेदी

47. 'बीरभा' रचना है –

(A) रेवा प्रसाद द्विवेदी की

(B) मोहन लाल शर्मा की

(C) पण्डिता क्षमाराव की

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

48. निम्न में आधुनिक संस्कृत साहित्य का ग्रन्थ है –

(A) मेघदूतम्

(B) दीपमालिका

(C) कादम्बरी

(D) उपर्युक्त सभी

49. 'कृतिरेव व्यक्तित्वं विशेषयति' का अर्थ होगा –

(A) कृति ही व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाती है

(B) कृति ही व्यक्तित्व है

(C) कृति की रचना ही विशेष है

(D) उपर्युक्त सभी

50. 'मधुरभाषिणः अमृतवर्षिणः' का तात्पर्य है –

(A) मधुर भाषा बोलना चाहिए

(B) मधुर अमृत बोलना चाहिए

(C) मधुरभाषी जन अमृतवर्षी होते हैं

(D) उपर्युक्त सभी

*****